सफलता की कहानी– राकेश कुमार पुत्र श्री जीराम गांव रामपुर अराईया

पहले मैं सामान्य खेती करता था। खेत के पास खाली भूमि व जंगल होने के कारण आवारा पशु फसल को नुक्सान पहुंचाते थे और मुझे काफी वितिय नुक्सान होता था। वन विभाग ने मुझे अपने खेत में पौधारोपण करवाने के लिए प्रेरित किया, मैनें खेत में वर्ष 2010–11 में 2400 सफेदे का पौधारोपण करवाया। पौधारोपण की एक वर्ष तक वन विभाग ने देखभाल की। एक वर्ष बाद मैनें स्वंय पौधारोपण की देखभाल की और पौधों के साथ–साथ मैनें ज्वार, सब्जी व गेहूं की फसल ऊगाई। फसल के साथ–2 सफेदे के पौधे बड़े होते चले गए और वर्ष 2015–16 में मैनें सफेदे को बेचा जिससे मुझे 450000/– रू0 की राशि प्राप्त हुई। फसल के ईलावा मैनें सफेदा बेचकर काफी लाभ कमाया और प्राप्त राशि से मकान बनवाया, मैं भविष्य में भी अपने खेतों में सफेदे का पौधारोपण करवाऊंगा । वन विभाग ने पौधारोपण पर 48000 रू0 की राशि खर्च की थी और मैनें पौधारोपण के बीच में फसल ऊगाकर भी लाभ प्राप्त किया।

श्री राकेश कुमार_Mobile No. 94165-52630

सफलता की कहानी– सुरजु राम पुत्र श्री रूलदा राम निवासी गांव ईश्माईलपुर जिला यमुनानगर

मैं सुरजु राम पुत्र श्री रूलदा राम निवासी गांव ईश्माईलपुर जिला यमुनानगर का निवासी हूं। पहले मैं सामान्य खेती करता था । वन विभाग ने मुझे अपने खेत में पौधारोपण करवाने के लिए प्रेरित किया, मैनें खेत में वर्ष 2012–13 में 2680 सफेदे का पौधारोपण करवाया। एक वर्ष बाद मैनें स्वंय पौधारोपण की देखभाल की और पौधों के साथ–साथ मैनें ज्वार, सब्जी व गेहूं की फसल ऊगाई। फसल के साथ–2 सफेदे के पौधे बड़े होते चले गए और वर्ष 2015–16 में मैनें सफेदे को बेचा जिससे मुझे 465000/– रू0 की राशि प्राप्त हुई। फसल के ईलावा मैनें सफेदा बेचकर काफी लाभ कमाया और प्राप्त राशि से कार खरीदी, मैं भविष्य में भी अपने खेतों में सफेदे का पौधारोपण करवाऊंगा ।

सुरजु राम,_Mobile No. 98300-45080

सफलता की कहानी– श्री माम सिंह पुत्र श्री जिया राम निवासी गांव झण्डा जिला यमुनानगर

मैं श्री माम सिंह पुत्र श्री जिया राम निवासी गांव झण्डा जिला यमुनानगर का निवासी हूं। पहले मैं सामान्य खेती करता था खेत के पास खाली भूमि व जंगल होने के कारण आवारा पशु फसल को नुक्सान पहुंचाते थे और मुझे काफी वितिय नुक्सान होता था। वन विभाग ने मुझे अपने खेत में पौधारोपण करवाने के लिए प्रेरित किया, मैनें खेत में वर्ष 2012–13 में 2660 सफेदे का पौधारोपण करवाया। पौधारोपण की एक वर्ष तक वन विभाग ने देखभाल की। एक वर्ष बाद मैनें स्वंय पौधारोपण की देखभाल की और पौधों के साथ–साथ मैनें ज्वार, सब्जी व गेहूं की फसल ऊगाई। फसल के साथ–2 सफेदे के पौधे बड़े होते चले गए और वर्ष 2016 में मैनें सफेदे को बेचा जिससे मुझे 400000/– रू0 की राशि प्राप्त हुई। फसल के ईलावा मैनें सफेदा बेचकर काफी लाभ कमाया और प्राप्त राशि से मकान बनवाया, मैं भविष्य में भी अपने खेतों में सफेदे का पौधारोपण करवाऊंगा। वन विभाग ने पौधारोपण पर 49015 रू0 की राशि खर्च की थी और मैनें पौधारोपण के बीच में फसल ऊगाकर भी लाभ प्राप्त किया।

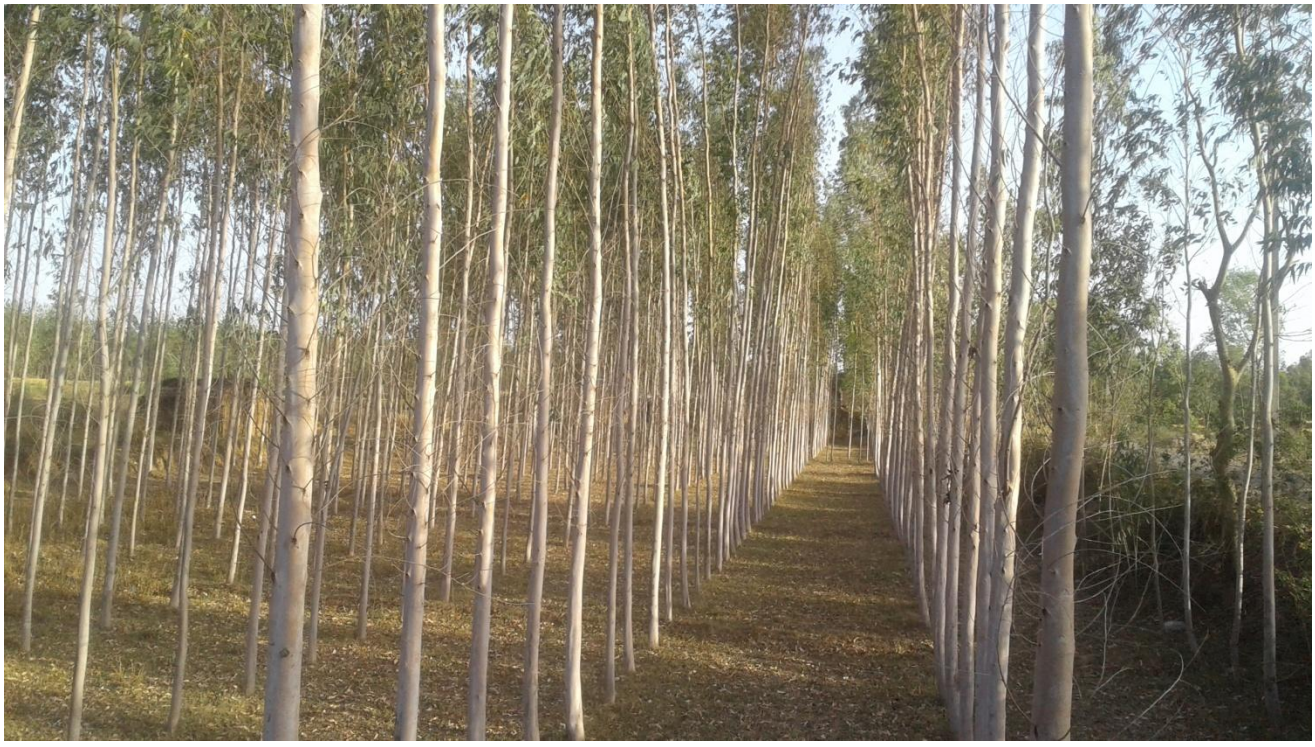

श्री माम सिंह, Mobile No. 94161-15391